पाँच प्राथमिकताएँ, पाँच प्रस्तावित कार्रवाइयाँ

अपनेपन, भागीदारी और विश्वास की परिस्थितियाँ बनाना

Think Social Cohesion (सामाजिक सामंजस्य पर सोचें) राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन ने दिखाया कि ऑस्ट्रेलिया में विचारों की कमी नहीं है। कमी है कार्रवाई के लिए एक ऐसे ढाँचे की जो पर्याप्त रूप से साझा और जवाबदेह हो। यह जानबूझकर अंतिम नहीं है: इस ढाँचे का हर तत्व इस परामर्श के माध्यम से संशोधन के लिए खुला है।

प्राथमिकता 1

अधिकार और ज़िम्मेदारी

व्यवस्था को क्या सुनिश्चित करना चाहिए?

शिखर सम्मेलन से

चर्चाओं के दौरान, प्रतिभागियों ने लगातार अधिकारों, दायित्वों और संस्थागत जवाबदेही के महत्व पर ज़ोर दिया।

प्रस्तावित कार्रवाई

सामाजिक सामंजस्य के लिए अधिकारों और संस्थागत ज़िम्मेदारी का एक ढाँचा स्थापित करना।

प्राथमिकता 2

लोगों तक पहुँचना

हम किन लोगों तक नहीं पहुँच पा रहे हैं?

शिखर सम्मेलन से

एक अधिक कठिन प्रश्न, जो चार सत्रों में स्वतंत्र रूप से उठा, यह है कि उन लोगों से कैसे जुड़ा जाए जो मौजूदा संस्थाओं और कार्यक्रमों की पहुँच से बाहर हैं।

प्रस्तावित कार्रवाई

उस स्थानीय बुनियादी ढाँचे में निवेश करना जिसके ज़रिये लोगों तक पहुँचा जाता है।

प्राथमिकता 3

भागीदारी

लोग योगदान कैसे करते हैं?

शिखर सम्मेलन से

विदेश में हासिल कौशल और योग्यताओं की मान्यता शिखर सम्मेलन का सबसे मज़बूत साक्ष्य वाला प्रस्ताव था, जो पाँच सत्रों में उठा और जिसका कोई विरोध दर्ज नहीं हुआ।

प्रस्तावित कार्रवाई

कौशल को काम में लाना और भागीदारी की बाधाएँ हटाना।

प्राथमिकता 4

जवाबदेही

परिणाम के लिए जवाबदेह कौन है?

शिखर सम्मेलन से

जैसा कि एक प्रतिभागी ने कहा, सुनना तब तक पूरा नहीं होता जब तक लोग यह न देख लें कि उनके बोलने से क्या बदला।

प्रस्तावित कार्रवाई

रोडमैप की हर प्रतिबद्धता पर जवाबदेही व्यवस्था लागू करना।

प्राथमिकता 5

कथा

कौन सी कहानी इन सबको संभव बनाती है?

शिखर सम्मेलन से

शिखर सम्मेलन बेहतर कहानियों की माँग से आगे गया। इसने सूचना परिवेश की संरचनात्मक विशेषताओं की पहचान की, जिनमें आक्रोश बढ़ाने के लिए तैयार किए गए एल्गोरिदम, व्यावसायिक प्रोत्साहन और ऐसा प्लेटफ़ॉर्म डिज़ाइन शामिल है जो समुदायों को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर सकता है, और इसने डिजिटल देखभाल के कर्तव्य (digital duty of care) को एक संभावित संरचनात्मक उपाय के रूप में सामने रखा।

प्रस्तावित कार्रवाई

कहानी कहने का एक नैतिक ढाँचा और सूचना परिवेश के प्रति एक संरचनात्मक उपाय विकसित करना और बढ़ावा देना।

यह रोडमैप कहाँ से शुरू होता है

सामाजिक सामंजस्य के लिए कोई भी ऑस्ट्रेलियाई ढाँचा आदिवासी (Aboriginal) और टॉरेस स्ट्रेट द्वीपवासी लोगों को इस महाद्वीप के प्रथम लोगों के रूप में मान्यता देने से, और उपनिवेशीकरण, बेदख़ली और निरंतर संप्रभुता के ईमानदार विवरण से शुरू होना चाहिए। यह प्रस्ताव यहाँ परखने के लिए रखा गया है।

हर प्रतिबद्धता के साथ

- एक नामित जवाबदेह नेता
- संबंधित मुद्दे का प्रत्यक्ष अनुभव रखने वाला एक साझेदार
- आवश्यक संसाधन
- एक शुरुआती माप
- छह महीने पर एक माप
- प्रगति की रिपोर्टिंग का एक पारदर्शी तरीका।